Holzgrefe, J.L. (2003) 'The Humanitarian Debate', in Holzgrefe, J. L. and Keohane, R. O. (eds.) *Humanitarian Intervention: Ethical, Legal and Political Dilemmas.* New York: Cambridge University Press.

Farer, J. T. (2003), 'Humanitarian Intervention before September 9/11: legality and legitimacy', Holzgrefe, J. L. and Keohane, R. O.(eds.) *Humanitarian Intervention: Ethical, Legal and Political Dilemmas*. New York: Cambridge University Press

B.A. Political Science (Honours)
SEMESTER-VI
POL-H-DSE-T-4(B): Dissertation
Discipline Specific Elective Course; Credit-6. Full Marks-75

Course objectives:

After completion of the course the learners will be able to:

- Apply the knowledge gained through different courses in practical field.
- Solve problems related to his course of study.
- Document, calculate, analyse and interpret data.
- Deduce findings from different studies
- Write and report in standard academic formats.

Guidelines:

- The students undertaking this course shall be allotted a supervisor/mentor/guide at the beginning of the semester.
- The student shall select a topic for dissertation from any field of Political Science taking help from the supervisor/mentor/guide.
- The work completed within the stipulated time and written in standard academic format shall be submitted at the end of the semester.
- The work shall be evaluated on the basis of the written document submitted by the student and a *viva-voce* conducted on the same.

Suggested Readings:

- 1. Smith, K., Todd M., Waldman, J., *Doing Your Undergraduate Social Science Dissertation*, USA, Rutledge, 2009.
- 2. Burnett Judith, *Doing Your Social Science Dissertation*, London, Sage Publications, 2009.
- 3. Lovitts, Barbara E. & Wert, Ellen L., *Developing Quality Dissertations in the Social Sciences: A Graduate Student's Guide to achieving excellence*, Virginia, Stylus Publishing, 2009.





NAME: MOUSUMI KHATUN

CLASS: B.A HONOURS 6TH SEMESTER

PAPER: POL-H-DSE-T-4(B)

CLASS ROLL NO: B.A/21/0100

ADMIT ROLL: 3115221 NO: 2164811

REG: NO: 065617 OF 2021-2022

বিশ্বায়নের যুগে ভারত চীন

সম্পর্ক

१ क्रान्डिंग क्रीकार्

विभिष्ट ।

विभ्र ।

विभ्र

कार्यार । अवस्था जाद्याप्रक्रिक अठित क्षिणक कार्या कार्याहा । अवस्थित क्षिणक जास्त्र आखार

पुनुजार ।

onger: 21/06/2024

Mousumi Khatun

• खारू७-ठीत जास्रकः : 1-2 Taker & • विक्रीशीयरे. सीया कारेल-एख यास्रक्ष् • धारुष-१ रेने राभगार जमाणान्य सन्त 5-9 भिक्षेत्र अंत्रय रिक्टिट अमाश्राक्ष अंत्रय रिक्टिट विक्रीय एका नैयंत्रक क्रियो भया दिवेदह अर्केश भगधा विकास याम्ची भयत रिक्केट व्यक्षिक अध्यायीय 9 - 19अभाकिरे अले भागिन्छा। नर्रे क्रिका यात्राकि क्याकि येक्सक मिर्व अपूछ-ित प्रनिकालगा ग्रामुकः 19-26 वायाव्य विभवन्त्रीव्य क्रिय 27-30 MÖN ?

. विद्यामानव ग्राज कीनव आधुर उपगुकु अन्नक (India-China Relations in the ena of Globalization)

क्रिक्र मार्थ आक्रा अवीर्वात जन्न मिक्रम् क्रिक्र मार्थ आक्र अवीर्वात जन्न मिक्रम् क्रिक्रम् क्रिक्रम् अविक्रम् अविक्रम्य अविक्रम् अविक्रम् अविक्रम् अविक्रम्य ভূাৱাবলত্ব — यान यान स्वापीन विभिन्न प्राची के यान मिल्टी के निर्मान स्वापीन के स्वापीन क याल बाल कार्यानीलन ।

उर्गिक विक्री वेपस्था किंक अथिकिया अभिक्र असि स्टिमी। अर्थ विक्री आधिका किंकि अधिका अभिक्र । प्रवेश आधिका अधिका । प्रवेश आधिक अधिका अधिका । प्रवेश आधिका अधिका । प्रवेश आधिका विक्रा विक्रा अधिका अधिका । प्रवेश अधिका अधिका विक्रा विक्

यत्रेष त्रकीक्षीय-यूर्येशाय, अधिक्रांत्र, क्रियंत्र क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं

क्रिकाधान असेक स्था इसिए। जाश्रीति व्यक्ति आर्वि क्रिया क्रियात क्रियाला अंचिल्य व्यक्ति व्यक्ति क्रियाला क्रियाला क्रियाला व्यक्ति व

চিল-জাবক আমুক % —

कित-छाउछ अन्नकि कित्त्य निम्त्रकालो छित्र अपनि भाकर्त अव्यक्षिकतार प्राप्त फिला गर्छ।

अवाक्षिकतार्त प्राप्त फिला गर्छ।

अवाक्षिकतार्त प्राप्त के कार्यात्र अवाक्षित क्रिया के व्यक्ति क्रिया कार्यात्र के व्यक्ति क्रिया कार्या क्रिया कार्यात्र के व्यक्तिक क्रिया कार्या क्रिया कार्यात्र के व्यक्तिक क्रिया कार्या क्रिया क्र भिष्टी युकाविकन्तीय भाष निका ग्रहा।

गारमके कुमा धर्म। नेम भारमुनी धर्म यास्मि अभव आपि अत्र क्रिक्ट अस्त कार्याच्य अब्हें अप्रधाय क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट याचाचार क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट याचाचारमाचे क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट विद्या क्रिक्ट विद्या क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक क् आधिकाविक वास्तुमाल वर्षण विषय । व्यक्ति प्रमाप्त का काव्यक्ति स्थाप्ति स्थाप्ति अव्यक्ति । अधिक्ति स्थाप्त काव्यक्ति काव्यक्ति स्थाप्ति अव्यक्ति अव्यक्ति । व्यक्षित क्षित्र काव्यक्ति काव्यक्ति स्थाप्ति अव्यक्ति । व्यक्षित क्षित्र क्षित्र स्थाप्ति अव्यक्ति । अविव्यक्ति क्षित्र स्थाप्ति । व्यक्षित्र क्षित्र विश्वत व्यक्ति अविव्यक्ति । अविव्यक्ति । अविव्यक्ति । व्यक्षित्र विश्वत विश्वत व्यक्ति अविव्यक्ति । अविव्यक्ति । व्यक्षित्र विश्वत विश्वत व्यक्ति अव्यक्ति । अविव्यक्ति । व्यक्षित्र विश्वत विश्वत व्यक्ति । अविव्यक्ति । व्यक्ति विश्वत विश्वत व्यक्ति । अविव्यक्ति । व्यक्ति विश्वत व

अधिक्षेत्र क्षिप्ति चर्चेच यात्रा यहिताल्य स्वीतिए। अधिक विक्र किल्य मेहे प्रिक्षित् यात्रीत्र याश्चित्र अवयाय, यात्रीयात्रक्ष यहेच स्वीक् यात्रीत्र आश्चित्र विवादिक विवादिक स्वीक्षित्र अह यंत्रा- यास्त्रकार्क यात्रीत्र आश्चित्र विवादिक विवादिक स्वीक्ष्य योग्निक वास्त्र यात्रीत्र आश्चित्र विवादिक विवादिक स्वीक्षित्र अह यंत्रा- यास्त्रकार्क यात्रीत्र आश्चित्र विवादिक विवादिक स्वीक्षित्र क्षेत्र विवादिक विवादिक

8 है स्ट्रिस्ट मुधिर काइएएएटी स्पिट्टि काइस रिकेंप्टियों स्थानिस्वेद्धीय सुधिर काइएएटी स्पिट्टि स्पिटिं के रिकेंटि सिकेंट साकुलेए रुकिंग आधास - आधिस स्था स्था रिकें अधिस अधिस अधिस्वेद सिकेंटि सुधिर स्था स्था स्था स्था सिकेंट्रियों सिकेंट्ट्रियों सिकेंट्रियों सिकेंट्रियों सिकेंट्रियों सिकेंट्रियों सिकें

शिक विधान क्षेत्रक नार्वक त्याना विकास क्षेत्रक व्याना क्षेत्रक विश्व क्षेत्रक वि कहाँ देविका हीन-हाउँक यश्यार यशादाणिवत एवा वार्याक्र रिक्टिक यश्र 2%-1081 2019 56 Lan 200 photo which स्वित निर्माणक प्राचीक स्वाचार प्रकारक राष्ट्राकृष अनुगन्य भिक्र आक्रमकार जन्त रिडाक याम्यिक क्राम्बेच काषाण्य क्षेत्र। क्रिय विष्य कार्यक्षेय अवन स्थित । 1087 आधित प्रक्रिक कार्यावर प्राचित्र क्यों क्य अर्थशाक निर्म । ते ४७ याध्ये अर्थिय मुख्य मीयक्ष्यक मार्थ कांवेश्वीय मुख्य मीयक्ष्यक मीय कांवेश्वीय जाउनक स्वयुक्त क्ष्येय । अंग्रीत मीयक्ष्यक मीय कांवेश्वीय कि • स्परेक-धूच सामाया रिक्रयः ? — स्वि केरि अर्थ पर्र 1080 व्याख्य ११ व स्वीयाके मि-आक्रिक यायाया ज्याध्याक्यांक एखी विक्रिन में पृथ -कार्यक रियोक्स मुखा अधावा अधावी अधावादि अधावी स्टिक अवर आर् प्रमाणिक्य याशयराव योगावा था ठीळठ ४ वयमीय ठापीळा जायाठ-व्योगीठव बावर, पुरवाम प्रमाध प्रवास व्यवस्था क्यां याश्वास अवस्था व्यवस्था व्यवस्था व्यवस्था अस्था अस्था अस्था क वेरहार स्था अवह उपर क्रिकिक कार्याह उपर प्राचान

अक्ट्रिय योग आक्ट्रा, स्वयमक्टर, यथिय । मुखाक मुक्ते, मिकारे, अमुशाकी, मुक्ति, ब्राह्मफ्ट्रा, यथिय अस्ति अधिक, अमें 1088 याणिये, ४३१का, जीर्यं वर्ष, समाधि है मासक अधिक, अपिकारे, अमें । याणिये, अधियोधिये, समाधि है मासक

ত্রা 10 83 - পর্র জারত - প্রান্ত আপ্রবছ ও — उपास्त प्रावाद्य र उपास कारण मुद्या स्वायस्य स्वित्यस्य स्वित्यस्य स्वित्यस्य स्वित्यस्य स्वित्यस्य स्वित्यस्य जाणियाण्यस्य व्याप्ताद्यत्व भूगियाः स्वायस्य स्वयस्य व्याप्तः व्याप्तः स्वयः। यद्व - अ सुध-कारेक केवार्यः भूगियः वाण्यस्य व्याप्तः व्याप्तः विश्वाद्यः प्रावाद्यः विश्वाद्यः विश्वाद्यः विश्वाद्यः आकर्ष प्राचा ६ बाज हार्य नित्र याति। प्राचा क्रियान यात्र भाय। वातिएस वियय आन्मान्त क्रियान अप्रकारी

Dodop-van Lagar? -स्थर वार्टी अस्था अस्थार । भूक विद्या सुक्रियायुक् अश्राव, अश्रा, अक्रिटी, करीया मुक्रियायुक् अश्राव, अश्रा, अक्रिटी, करीया सुक्रियायुक् भूक वार्टी अवस्थित असे प्रियम सुक्रिया सुक्रिया अस्थित अस्य अस्थित क्षिकी क्रिका अधिक।

TO 84 किर्याचा अधिक प्रमा अधिक अधिक अधिक अधिक भ्रमीय अधिक भ्रमीय

अर्थीयात स्थाप । अर्थित स्थाप क्याप अर्थित अर्थित अर्थित स्थाप अर्थित स्थाप अर्थित स्थाप अर्थित स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्थाप

स्मिति पिक्रम्था स्मित्र सम्मित्र सम्मित्र ।

निम्मित्र प्रिक्रम्था स्मित्र सम्मित्र सम्मित्र ।

निम्मित्र प्रिक्र्य समित्र समि

निर्मार्थ। व्यक्तिक व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिक व्

अरखा निर्मित मियार्च क्या असेठे ठाउटा । अरखा निर्मित क्यार्च क्यार कार्यवाक अर्थार क्यार्च क्यार क्यार्च क्यार क्यार्च क्यार क्यार्च क्यार क्यार्च क्

अपन्यक्षेय आठण स्रिटेक । अपमित्र यायांत देशीयाञ्चल वित्रीवित स्वाय्यां दीत्यांति आयांत्र प्राय्यां । सम् वियायित स्वाय्यांत्र प्राय्यांत्र यांत्र स्वाय्यांत्र यांत्र प्राय्यांत्र यांत्र स्वाय्यांत्र यांत्र स्वाय्यांत्र व्यायायेत स्वाय्यांत्र प्राय्यांत्र यांत्र स्वाय्यांत्र यांत्र प्राय्यांत्र यांत्र यांत्र प्राय्यांत्र यांत्र अम्पीत क्षिय क्या क्रीय।

प्रिक्षिकः एक्ष्यः अवशः स्थायायः स्थायाः । धाः। सार्वेशाविकः विक्रां स्थायाः स्थायाः प्राचीतः स्थायाः विक्रां स्थायाः विक्रां स्थायाः विक्रां स्थायाः विक्रां स्थायाः स्थायः स्थायाः स्थायः स्थ

र्राष्ट्रीय पश्चित्र यात्राया यात्राह्मान्य प्रिक्रम्य पिक्रम्

प्रभावनाम् प्राव्याक्य कृतिका । यहात्य प्रदेश अवस् भावताय प्रदेश अवस्थात्य विपिष्णिक जिल्ला किया ।

अव अपराच अप ।

अव अपराच अपरा

भागांच साठ योगीवाचा क्षी ठीव। व्यापकार्त त्रिव तार्वित व्यापकार्त क्षीव विद्या प्रवित प्राप्त व्यापकार्त क्षीव व्यापकार्त क्षाण्य क्षीव व्यापकार्त क्षाण्य क्षीव व्यापकार्त क्षाण्य व्यापकार्त क्षाण्य व्यापकार्त क्षाण्य व्यापकार्त व्यापकार व्यापक

क्रियंविद्य देशम्भाक व्यादाः क्षियदिक्षाण कृष्ण सम्मर्ध स्वित्यां राजकर त्यांचित विष्य-श्यांश्वतः प्र8-53 व्याविद्यः सम्बद्धः स्थितिव्यः स्थितिव्यः स्थितिव्यः स्थिति स्वयः स्थितिः स्थितः स्थितिः स्थिति। स्थितिः स्थिति स्थितिः स्थितिः स्थिति। स्थितिः स्थितिः स्थितिः स्थिति स्थिति। स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति। स्थिति स्यति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थिति स्थित अवाता विश्व कार्याती ने कार्य कार्या के कार्य क

३५ जाल अपि मिर् भयाय खायण मिर्न मिन्मास्टिक अपर अनुकारिक अस्या निय आन्तान्ति अपर श्री अस्ति अस्ति निया आन्तिका, सामि अपर रिया अस्ति विस्तिति आन्ति। सामिति अपर

आवित्री विक्र अपकार अपित अपाय क्रीस ठ्या।

आवित्र अपायम याय। अपित अपाय क्रीस ठ्या।

अव्यावि विक्रम वार्य व्यावित्र अपाय क्रीस ठ्या।

अव्यावि अपायम व्यावित्र अपाय व्यावित्र कार्यि अव्यावित्र अपायम् अपायम्यम् अपायम् अपायम्यम् अपायम् अपायम्यम् अपायम् अपायम् अपायम् अपायम् अपायम् अपायम् अपायम् अपायम् अपायम यारिक उपारक्ष अधिक अधिक अधिक

आक्रात्री स्थानका करितर। स्थानित सम्बद्ध कार्यक्ष प्रकार स्थानित क्ष्यिक स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित स्थानित सम्बद्ध सम्बद्ध किया स्थानित 1905-AT 42 2116 that 900 1908-AT 42 2116 that 900 13100131 OKO 200 200 200 131 विष्ट्रिय अर्विकार्य नार्युन्न अतर आजामुन्दर जीत्रपर्छी अस्ट्रीन प्रतिकार्य जास्त्रीयक जार्यक्रीय जीति व्याउगायाय अर्थेर प्रतिकार्य जास्त्रीयक जार्यक्रीय जीति व्याउगायाया आर्थेर जाम्मेरक जार्य विनाय केन्स्र अर्थ यार्गिकार्य अवन कर्मा व्यक्ति। मिन-छाएँछ निकासक निका निकासक निकासक निकासक निकासक निकासक निकासक निकासक निकासक निकासक मार्थ प्राक्षण विकास वि

अविधिविद्य यात्राम याद्री । अधिकार में भूष अख्याम येखा अ आभूष अख्या विविद्य में भूष अख्याम येखा अव्याप अख्या अख्या विविद्य में भूष अख्याम येखा अव्याप अख्या ीमानक क्यीक्ष । जीक क्याक जान्या । विकास विकास विकास । जीक क्याक व्यक्ति । जीक क्याक जान्या । जीक क्याक विकास विकास । जीक अवस्थित विकास वितास विकास वितास विकास व ीवाज्ञ क्टीश्रा ठीक कर्णक ठाण्यापर ।

अधीक्ते क्षितीं अभिन्न प्रिक ठीका उपिताक होते अभिन्न प्रिकाम कार्या अविश्वाक अध्याम अधिक प्राप्ति प्राप्ति वाच्या कार्या विश्वाक अध्याम अधिक प्राप्ति वाच्या व्याप्तिक अध्याम अधिक प्राप्ति वाच्या व्याप्तिक विश्वाक अधिक प्राप्ति वाच्या व्याप्तिक विश्वाक अधिक प्राप्ति वाच्या व्याप्तिक विश्वाक अधिक व्याप्तिक व्याप्तिक व्याप्तिक विश्वाक व्याप्तिक व्याप्तिक व्याप्तिक व्याप्तिक विश्वाक व्याप्तिक व्य

Type 1

नित-एावण किन्दालगण याद्यक १-

अम्बर्ध आधिमाया अक्टिय प्रेंग ।

शेष्य सुक्रियोत आविक्यात्रिक शिक्यात्रित विवास अभिवाद्य आधिमाया अतिक मिक्या के मिक्या विकास आधिमाया अतिक मिक्या के मिक्या विकास अप्रियोत अप्रियोत्त अप्रियोत्य अप्रियोत्त अप्रियोत्त अप्रियोत्त अप्रियोत्त अप्रियोत्त अप्रि

rage - 2

भावेषि, अविशित प्रित प्राक्त ।

क्षा अकार कोर्वाकित याका क्षेत्रक क्षेत्रक क्ष्मेक व्यक्ति क्षित्रक क्ष्मेक क्षेत्रक क्ष्मेक क्ष्मेक क्ष्मेक क्ष्मेक क्ष्मेक क्ष्मेक क्ष्मेक व्यक्ति व्यक्ति अक्षेत्रक व्यक्ति व्यक्ति आविक व्यक्ति व्यक्ति अक्षेत्रक व्यक्ति व्यक्ति अक्षेत्रक व्यक्ति व्यक्

ठाकि ज्याकीक द्वीत किंद्री। अधिक अक्षिक क्षिक अह सीमास प्रेक्ट संक्रामित पिष्टायीएक साहिक केल्पिकान्ति साधिक क्ष्यांक साधिक क्षिकः मेर्च क्षिका साधिक प्राथित क्ष्योंक साधिक क्षिकः मेर्च क्षिका साधिक प्रविधित क्ष्योंक अश्वित क्षिकः मेर्च क्षिकाक्त प्रविधित क्ष्योंक क्षिकः मेर्च क्षिका

वक्षां सारादिष्याक अमीव्याचा क्षीत हारीं किनाही जाउर जाउर कार्यार्के। उपयाण, जायाण, जायाण- विकार उपद्यापिक -अय किन उपकृतिक तुक्क काय तुक्रीकाल उपर अभागाणः, विक्रिकम्पिक्कांक असक विद्यापि क्लिस वर्ष यकात्र जात जातम् जिक्कम् विन्नागृन्य अन्यविद्यान अग्राजीये यथेक स्वीक्रीक अव रिमिकादे यहिर योक्या-वार्य-क्षित अव्यक्त विष्ट्र प्रमाधिका कार्क- विष्ट मानि हिर्देश अधिक निर्देश निर्देश भी निर्देश यह अभिन किय्यय लिए यहातिन कराती श्राय निष्य निष्या मेरी निर्माण असिकार असिकार कार्तायुक्ट व स्थित स्थित स्थापन स्थापन व स्थापन स्थापन क्या का कारेक स्थित ज्या हारा हारा हाथ हाथ हाथ Nuelean Energy-gr Jesjar James er steppinsnego

□ कारीकिक स्थिम्बर्धभाविक दार्थिक क्षाकात : -स्वित्रमाक कार्याक्य सम्मायक्ष्यक ठीव था।

वाही अहरका उम्मायक निर्मायम् ठीक अवर विर्मे वाहित कार्याक्य अवर विरम्

वाही अहरका उम्मायक निर्मायम् ठीक अवर विरम्

वाह्म वाहित कार्याक निरम्भ कार्याक अवर विरम्

वाह्म कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या वाह्म क्रिकाक कार्यक्र महिर कलानक्रम प्राप्त निर्माण का वार्यक निर्माण अखाया अखाया अग्रामीका कामकुर्गाक । उन्हें निक्त जिल्ला की कि जहाँ कि जिल्ला जिल्ला उन्हें निक्त जिल्ला की कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कि जिल्ला कार के कार्क वार्वनिक वार्वन्यक निवाद

age a 1

प्रक्रीयम्बर्धिक अधि यार्थिय छीत थर। avia 3 pou jation अध्ययात्यात्य निष्ठा अवर च्या कार्येच देव निष्ठां में जियामी निम्बाद्याली मिक्कीनद्र जिल्लान निम्बर उपालीयर यहेलाकिए यांठेशणक यात्रीय विभावन यथि भीष्येशः। अठ्याः, युक्योक्यां क्याः Lucia 1315a Inergiaista Julia regisera र्राय कारण क्यारा यहां यह असन असन वाजावविक अवि विभक्त स्वीयाक्षक या उम्रिक न्यमाश्चर्य याद्यायक ठीय ३१०। alland a sooner alor 35, en la Bila fazoa jazoa yez veceloso मित्रमायक मावर क्षित्र मावर विषय मावर विषय

भेथ् अधिक रेगामीयर किया वर्गित्र वर्गित्र्या प्रकृष्टि याचा कारेक ठार्थक्य स्टींक अवह एख कार्क व्यक्ति उपाय निभय । व्याक्त अगव जारिक जारा स्विक्रीय मेर्ड यायाद्वास स्थायर्ज्य पिक्स मार्थ यियाही है अञ्चान्यात्र क्रीन अय्यामात्र कथण क्रदीन वक्ष्मिर्वक्षेत्र क्रज्ञ काठीख, विश्वक्ष, व्यंध्यायाप्रधिक विष्याक्षात्रकार करी। वि अठक्याद्री ठीव का धरी मिक्किन-मिक्किन अवस्तिक चेन्ने अवस्त अनुव विकानकार् प्रीक्षर क्षित्रमें विश्वाप विश्वाप अधिक व्या अर्थित २००० उमान प्रत ब्राम्य दाकामार निक अवह निक्रा विकास विकास वान कर्ण देशक अवह अर्थ क्रियानिक विकास विकास विकास विकास विकास विकास

हातेक अधि खिरी रिय अक्षिण अश्वामीकार्व भागित- मेर्य तार्थित Rida enticipalità empe mon agrilla अधिक्य अवह स क्योक्ट उपम्बर क्यीं De pry B aidalae yalanlar sorgi अर्थीवर् क्यारिक क्यारिक क्यारिक डीय वा किवय अडी मेडा त्येंत्रेशकाया भिक्ष godená más In gána mais breula as धर्म, अभरा अभारत इमानि, विकासम ड क्षित्रात्रका क्षेत्रबद्धाव स्वितिक क्षेत्रव । स्वित्युव यहत्रम अथाषिक प्रम्य र्वमाय वर्गेवय अया

2) जारियाविक यर्षक् में येष्णीविका — प्रतिकारम् क्रिका 3) जारियाविक यर्षक् — सार्थामात्वर क्रिका 5) कोरेठ - एथ रियाक्ष्णयाक यर्षक् — प्रिवार (1) जारियाविक यर्षक् — स्थिव्य रियाव (2) कोरेठ - एथ रियाक्ष्णयाक यर्षक् — प्रिवार्षिक्ष (3) जारियाविक यर्षक् — स्थिव्य रियाविका (3) जारियाविका (3) जारियाविक यर्षक् — स्थिव्य रियाविका (3) जारियाविका (3) जारियाविका (3) जारियाविका (3) जारियाविका (4) जारियाविका (4) जारियाविका (4) जारियाविका (5) जारियाविका (6) जारियाविका (7) जारियाविका (7) जारियाविका (8) जारियाविका (9) जारियाविका (1) जारियाविका (1)

यः अध्याव आवश्रीर